प्रथम वार्षिक संगोष्ठी

साइकोलॉजीकल फोरम छत्तीसगढ़

''छत्तीसगढ़ में मनोविज्ञान का कार्यक्षेत्र, चुनौतियां एवं विकास''

(Scope, Challenges and development of Psychology in Chhattisgarh)

18 मई, 2019

पण्डित सुंदरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर के मनोविज्ञान विभाग एवं साइकोलॉजीकल फोरम छत्तीसगढ़, के संयुक्त तत्ववधान में ''छत्तीसगढ़ में मनोविज्ञान का कार्यक्षेत्र, चुनौतियां एवं विकास''(Scope, Challenges and development of Psychology in Chhattisgarh) विषय पर प्रथम वार्षिक संगोष्ठी का आयोजन, दिनांक 18 मई, 2019 को किया गया।

इस कार्यक्रम के संरक्षक प्रोफेसर बंश गोपाल सिंह, कुलपति पण्डित सुंदरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर, संयोजक डॉ बसंत कुमार सोनबेर अध्यक्ष साइकोलॉजीकल फोरम छत्तीसगढ़, सह संयोजक डॉ गौतमी भटपहरी, डॉ जय सिंह, आयोजन सचिव डॉ एस.रुपेन्द्र राव विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान विभाग पण्डित सुंदरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर रहे।

संगोष्ठी में, छत्तीसगढ़ में मनोविज्ञान की स्थिति, छत्तीसगढ़ में मनोविज्ञान की चुनौतियां, मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिये सरकार की पहल, युवाओं के विकास और इनमें मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप की आवश्यकता, वृद्धावस्था की समस्याएं और मनोवैज्ञानिकों की भूमिका, सामाजिक आर्थिक स्थिति और मानसिक स्वास्थ्य व पर्यावरणीय परिस्थितियां और मानसिक स्वास्थ्य विषयों पर प्रतिभागियों द्वारा शोध–पत्र प्रस्तुत किये गये।

संगोष्ठी में वक्ताओं ने छत्तीसगढ़ में मनोविज्ञान के कार्यक्षेत्र, चुनौतियां एवं विकास पर चर्चा की साथ ही इस संगोष्ठी में मनोविज्ञान के क्षेत्र की समस्याओं तथा संभावित समाधानों पर चर्चा की। कार्यक्रम में पण्डित सुंदरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छतीसगढ, बिलासपुर के समस्त विभागों के विभाग प्रमुख, सहायक प्राध्यापक अन्य विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक, शोधार्थी व छात्र सहित कुल 77 से अधिक प्रतिभागियों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

S. R. Rao

आयोजन सचिव

आयोजन सचिव
मनोविज्ञान विभाग
प. सुंदरलाल शर्मा (मुक्त) वि.वि.
बिलासपुर (छ.ग.)